सीएम ने फरीदाबाद में रखी उत्तर भारत के सबसे बड़े अस्पताल की आधारशिला

माता अमृतानंदामाई मठ द्वारा तैयार होने वाले अस्पताल की 2000 बैड होगी क्षमता

फरीदाबाद,(नवीन धमीजा, ब्यूरो चीफ): प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नहरपार स्थित पुरी अमनविला टाऊनशिप के निकट सेक्टर-88 में उत्तर भारत के सबसे बड़े 2000 बिस्तर की क्षमता वाले अमृता इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस एंड रिसर्च सेंटर का अमृतनंदामाई मठ के उपाध्यक्ष स्वामी अमृतास्वरूपानंद पुरी की उपस्थिति में शिलान्यास किया। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, सीपीएस सीमा त्रिखा, विधायक विपुल गोयल, मूलचंद शर्मा, टेकचंद शर्मा तथा भाजपा के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार देने के लिए वर्ष 2016-17 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के लिए 3,916 करोड़ 94 लाख रुपये का बजट का प्रावधान किया है। जोकि वर्ष 2015-16 के बजट खर्च से 37.1 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा बाढ़सा, जिला झज्जर में नेशनल कार्डियो वेस्कुलर इंस्टीच्यूट स्थापित करने की भी हमारी योजना है। बाढ़सा में इससे पहले राष्ट्रीय कैंसर संस्थान स्थापित किया जा रहा है। अमेरिका की

एन.सी.आई. की तर्ज पर निर्मित होने वाले 710 बिस्तरों का यह संस्थान 3 वर्ष में तैयार हो जाएगा।

हर जिले में खोलेंगे मेडिकल कॉलेज : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए संकल्पबद्ध है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए निजी क्षेत्र, गैर सरकारी व स्वयंसेवी संस्थाओं से सहयोग लेकर आगे बढ़ना है। प्रदेश को चिकित्सा शिक्षा का हब बनाने के लिए हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने का लक्ष्य बनाया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का स्वागत माता अमृतानंदामाई मठ के उपाध्यक्ष स्वामी अमृतस्वरूपानंद पुरी ने किया। इस अवसर पर भारत सरकार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि इस अस्पताल के बनने से न केवल फरीदाबाद बल्कि साथ लगते पलवल व मेवात सहित दिल्ली व उत्तर प्रदेश के लोगों को भी लाभ मिलेगा।

किफायती स्वास्थ्य सेवाओं को समर्पित होगा रिसर्च सेंटर : कार्यक्रम में भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एवं माता अमृतानंदामाई अस्पताल के कार्यपालक निदेशक सत्यानंद मिश्रा ने बताया कि 2000 बेड के अस्पताल के साथ अमृता इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस एंड रिसर्च सेंटर भी खोला जाएगा। आम आदमी के लिए चिकित्सीय सेवाएं किफायती बनाने के लिए एक ब्लाक को रिसर्च के लिए समर्पित होगा। डा. प्रेम नायर, चिकित्सा निदेशक, अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सिस एंड रिसर्च सेंटर, कोचि का कहना था, फरीदाबाद में नए अस्पताल में स्पेशलिटी, सुपरस्पेशलिटी और सेंटर ऑफएक्सीलेंस की पूरी श्रेणी उपलब्ध होगी। फरीदाबाद में अमृता अस्पताल में मां और शिशु देखभाल पर सशक्त फोकस भी दिया जाएगा। नए अस्पताल में मातृत्व और फीटस मेडीकल के साथ अत्यंत स्पेशलाइज्ड मल्टी-डिसीप्लिनरी पीडियाट्रिक अस्पताल शामिल होगा और बालचिकित्सा की सभी उपविशेषज्ञताएं मौजूद होंगी जिनमें पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी, हार्ट सर्जरी, संधिवातीयचिकित्सा, एंडोक्राइनोलॉजी, पल्मनोलॉजी, न्यूरोसाइन्स शामिल होगी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विजय प्रताप सिंह, विनोद चौधरी, बिल्लू पलवली, संजय चेयरमैन के अलावा संजीव कौशल, पी.के. महापात्रा, पी. राघवेंद्र राव, फरीदाबाद के उपायुक्त चंद्रशेखर आदि उपस्थित रहे।

विजय प्रताप को दी बधाई

मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से ट्रस्ट को 100 एकड़ जमीन माता अमृतानंदामाई ट्रस्ट को उपलब्ध कराने के लिए मठ से जुड़े एवं पूर्व मंत्री महेन्द्र प्रताप सिंह के पुत्र विजय प्रताप सिंह को बधाई दी। सेक्टर 87-88 की सड़क व चौक का नामकरण माता अमृतानंदामाई के नाम पर रखा फरीदाबाद में सेक्टर 87-88 सेक्टर के चौक व दोनों सेक्टरों से मध्य से गुजरने वाली सड़क का नामकरण भी माता अमृतानंदामाई के नाम पर करने की घोषणा की।